10 प्रीलिम्स 1 हिंदी ब
Class 10 - हिंदी ब

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क - अपठित बोध

1. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

जब तक मनुष्य के मन में संतोष नहीं होगा तब तक उसको सुख नहीं मिल सकेगा। हमें परस्पर प्रेम-भाव से रहना चाहिए। हमें स्वयं पर संयम और नियंत्रण रखना चाहिए। मनमानापन पशुओं का गुण है। मनुष्य तो सोच-समझकर देश और काल के अनुसार आचरण करता है। आप जानते हैं हजारीप्रसाद द्विवेदी जी ने बूढ़ा किसे कहा? नहीं, जरा सोचिए तो सही, उस समय हमारे स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं में सबसे बड़ा और आदरणीय कौन था? समझे आप, हाँ! यहाँ द्विवेदी जी ने पूरे आदर के साथ गांधीजी को ही बूढ़ा कहा है । गांधी जी की बातें लोगों को बहुत भाईं। वे उनके बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निडर होकर चलने लगे परन्तु बहुत सारे लोग ऐसे भी थे जो उनके विचारों से भिन्न मत रखते थे। पर महात्मा जी ने अपनी विचारधारा से यह सिद्ध कर दिया कि जब तक हम अपने मन से अहिंसा और सत्य को नहीं अपनाएँगे तब तक मनुष्य का जीवन सार्थक नहीं होगा। गांधी जी के बताए रास्ते को अपने जीवन में उतारना मनुष्यता का पर्याय है।

1. स्वतंत्रता-आंदोलन के नेताओं में सबसे बूढ़े कौन थे? (1)
   (क) हजारीप्रसाद द्विवेदी
   (ख) दादा भाई नारोज़ी
   (ग) महात्मा गांधी
   (घ) पंडित नेहरू
2. गद्यांश में मनमानापन किसका गुण माना गया है? (1)
   (क) पशुओं का
   (ख) मनुष्यों का
   (ग) बच्चों का
   (घ) महिलाओं का
3. मनुष्य कब तक सुखी नहीं हो सकता? (1)
   (क) जब तक मनुष्य के मन में संतोष नहीं होगा
   (ख) जब तक पर्याप्त धन नहीं होगा

(ग) जब तक वह स्वतंत्र नहीं होगा
(घ) जब तक वह दूसरों की बात नहीं मानेगा

4. गाँधी जी ने लोगों को किसका मार्ग दिखाया और लोगों पर उसका क्या प्रभाव पड़ा? (2)

5. गाँधीजी के अनुसार मनुष्यों को जीवन कैसे सार्थक हो सकता है? (2)

2. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-** **[7]**

प्रकृति की ताकत के सामने इंसान कितना बौना है, यह कुछ समय पहले फिर सामने आया। यों प्रकृति सहनशीलता, धैर्य, अनुशासन की प्रतिमूर्ति के रूप में हमारा पथ-प्रदर्शन करती है, हमारे भीतर संघर्ष का भाव जगाकर समस्या के हल के लिए उत्प्रेरक का काम करती है, लेकिन जब भी इंसान ने खुद को जीवन देने वाले प्रकृति प्रदत्त उपहारों, जैसे-जल, जंगल और जमीन का शोषण जोंक की भाँति करने की कोशिश की, तब चेतावनी के रूप में प्रकृति के अनेक रंग देखने को मिले हैं। जल का स्वभाव है अविरल प्रवाह, जिसे बाँधना वर्तमान समय में मनुष्य की फितरत बन गई है। वनों ने हमेशा मनुष्य को लाभ ही दिया, लेकिन स्वार्थ में अंधे मनुष्य ने वनों को बेरहमी से उजाड़ने, पेड़ों को काटने में कभी संकोच नहीं किया। नदियों की छाती को छलनी कर अवैध खनन के रोज नए रिकॉर्ड बनाना इंसान का स्वभाव बन चुका है। पहाड़ों को खोदकर अट्टालिकाएँ खड़ी करने में हमें कोई हिचक नहीं होती। पृथ्वी के गर्भ से भू-जल, खनिज, तेल आदि को अंधाधुंध या बेलगाम तरीके से निकाले जाने का सिलसिला जारी है। इसलिए नतीजे के तौर पर अगर हर साल तबाही का सामना करना पड़े तो कोई आश्चर्य की बात नहीं होनी चाहिए।

हमें याद रखना होगा कि जब भी प्रकृति अपना अनुशासन तोड़ती है, तब भारी तबाही का मंजर ही सामने आता है। आज जरूरत इस बात की नहीं कि हम इतिहास का दर्शन कर खुद को अभी भी पुरानी हालत और रवैए में रहने दें, बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि हम प्रकृति के इस रूप को गंभीरता से लेते हुए अपने आचरण में यथोचित सुधार करें और प्रकृति की सीमा का अतिक्रमण न करें।

1. प्रकृति की ताकत के सामने मानव कब बौना हो जाता है? (1)
(क) जब मनुष्य वनों को बेरहमी से उजाड़ता है
(ख) जब हम प्रकृति की सीमा का अतिक्रमण करते हैं
(ग) जब प्रकृति अपना अनुशासन तोड़ती है
(घ) जब प्रकृति हमारा पथ-प्रदर्शन करती है

2. प्रकृति के अनुशासन तोड़ने का क्या परिणाम होता है? (1)
(क) प्रकृति के अनेक रंग देखने को मिले हैं
(ख) भारी तबाही का मंजर सामने आता है
(ग) प्रकृति हमारा पथ-प्रदर्शन करती है
(घ) प्रकृति अनुशासन की प्रतिमूर्ति बन जाती है

3. जल का स्वभाव है अविरल प्रवाह, जिसे बाँधना वर्तमान समय में मनुष्य की फितरत बन गई है। यहाँ **अविरल** का क्या अर्थ है? (1)
(क) निरन्तर प्रवाह
(ख) अवरुद्ध प्रवाह
(ग) रुक रुक कर चलना
(घ) अस्थाई प्रवाह

4. प्रकृति के अनेक रंग कब देखने को मिले हैं? (2)

5. इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने क्या संदेश दिया है? (2)

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. निम्नलिखित वाक्यों में से **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **[4]**

   i. बाइबिल के सोलोमेन सारे **छोटे-बड़े-पशु-पक्षियों** के भी हाकिम थे। रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

   ii. सबकी सहायता करने वाले आप आज उदास क्यों हैं? **सर्वनाम पदबंध** छाँटिये।

   iii. उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। इस वाक्य में **क्रिया पदबंध** कौन सा है।

   iv. वामीरो भयवश सामने आने में **झिझक रही थी।** रेखांकित पदबंध का नाम लिखिए।

   v. में तो खेलते-कूदते दरजे में अव्वल आ गया। वाक्य में प्रयुक्त **क्रिया विशेषण पदबंध** की पहचान कीजिए।

4. नीचे लिखें वाक्यों में से **किन्हीं चार** वाक्यों का निर्देशानुसार रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण कीजिए- **[4]**

   i. वह लड़का गाँव जाकर बीमार हो गया। (मिश्र वाक्य)

   ii. जैसे ही वह स्टेशन पहुँचा, वैसे ही गाड़ी चल दी। (सरल वाक्य)

   iii. रेस में प्रथम आनेवाले लड़के को पुरस्कार मिला। (मिश्र वाक्य)

   iv. हरभजन सिंह के पहले ओवर की पहली गेंद पर जयसूर्या आउट हो गया। (संयुक्त वाक्य)

   v. जो वालेंटियर वहाँ गए थे वे अपने स्थान से लाठियाँ पड़ने पर भी हटते नहीं थे। (संयुक्त वाक्य में)

5. निर्देशानुसार **किन्हीं चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए और उपयुक्त समास का नाम भी लिखिए। **[4]**

   i. यथामत (विग्रह कीजिए)

   ii. महादेव (विग्रह कीजिए)

   iii. वन में वास (समस्त पद लिखिए)

   iv. गुण और दोष (समस्त पद लिखिए)

   v. नीलीगाय (समस्त पद लिखिए)

6. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** मुहावरों का वाक्य में प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि उनका आशय स्पष्ट हो जाए: **[4]**

   i. हाथ पाँव फूल जाना

   ii. प्राणांतक परिश्रम करना

   iii. सिर पर तलवार लटकना

   iv. सपनों के महल बनाना

   v. आग बबूला होना

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और चाहे आज तुम मेरी ही जमात में आ जाओ और परीक्षकों का यही हाल है, तो निस्संदेह अगले साल तुम मेरे समकक्ष हो जाओगे और शायद एक साल बाद मुझसे आगे भी निकल जाओ, लेकिन मुझमें और तुममें जो पाँच साल का अंतर है, उसे तुम क्या, खुदा भी नहीं मिटा सकता। मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा। मुझे दुनिया का और जिंदगी का जो तजुरबा है, तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए. और डी. फिल् और डी.लिट् ही क्यों न हो

जाओ। समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती, दुनिया देखने से आती है। हमारी अम्माँ ने कोई दरजा नहीं पास किया और दादा भी शायद पाँचवीं-छठी जमात के आगे नहीं गए, लेकिन हम दोनों चाहे सारी दुनिया की विद्या पढ़ लें, अम्माँ और दादा को हमें समझाने और सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। केवल इसलिए नहीं कि वे हमारे जन्मदाता हैं, बल्कि इसलिए कि उन्हें दुनिया का हमसे ज़्यादा तजुरबा है और रहेगा।

(i) उपरोक्त गद्यांश के अनुसार निम्न में से कौन सी बात सही है?

क) आत्मगौरव की हत्या करना
ख) परीक्षा में उत्तीर्ण होना
ग) बड़ों से आगे निकालना
घ) बड़ों का अनुभव छोटो के लिए फायदेमंद है

(ii) समझ कैसे आती है?

क) उच्च शिक्षा प्राप्त कर के
ख) बिना पढे
ग) किताबें पढ़ने से
घ) दुनिया को समझने से

(iii) बड़े भाई के अम्मा और दादा को उन्हे सुधारने का अधिकार हमेशा रहेगा। क्यों?

क) क्योंकि वे पैसे को मोहताज नहीं है
ख) क्योंकि उन्होंने कुटुंब का पालन किया है
ग) क्योंकि उनके पास अधिक तजुर्बा है
घ) क्योंकि उन्होंने पढ़ाई नहीं कि है

(iv) बड़े भाई उम्र में कितने बड़े थे?

क) तीन साल
ख) सात साल
ग) पाँच साल
घ) एक साल

(v) दोनों भाइयों में बड़े भाई को जीवन का तजुर्बा अधिक क्यों है?

क) क्योंकि बड़े भाई पढ़ाई में एक दरजा आगे हैं
ख) क्योंकि बड़े भाई उम्र में पाँच साल बड़े हैं
ग) क्योंकि बड़े भाई फेल हो गए है
घ) क्योंकि उनके पास पैसे अधिक है

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) **डायरी का एक पन्ना** पाठ में वर्णित स्वतंत्रता आंदोलन और अंग्रेज़ी सत्ता की क्रूरता का उल्लेख संक्षेप में कीजिए। **[2]**

(ii) आदर्शवादी लोगों द्वारा समाज को क्या लाभ मिलता है? **पतझर में टूटी पत्तियाँ** पाठ के आधार पर लिखिए। **[2]**

(iii) लेफ्टिनेट व्यक्तिगत स्तर पर वज़ीर अली को बहादुर क्यों मानता था? पठित पाठ कारतूस के आधार पर उत्तर दीजिए। **[2]**

(iv) **तीसरी कसम** फ़िल्म में दुख के भाव को किस प्रकार प्रस्तुत किया गया है? दुख के वीभत्स रुप से यह दुख किस प्रकार भिन्न है? लिखिए। **[2]**

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

अनंत अंतरिक्ष में अनंत देव हैं खड़े,
समक्ष ही स्वबाहु जो बढ़ा रहे बड़े-बड़े।
परस्परावलंब से उठो तथा बढ़ो सभी,
अभी अमर्त्य-अंक में अपंक हो चढ़ो सभी।
रहो न यों कि एक से न काम और का सरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) अतंरिक्ष में कौन खड़े हैं?

क) सूर्य ख) तारे

ग) नक्षत्र घ) देवता

(ii) अतंरिक्ष में खड़े देव अपनी बाहु क्यों बढ़ा रहे हैं?

क) स्वस्थता के लिए ख) मदद के लिए

ग) मार्गदर्शन के लिए घ) समृद्धि के लिए

(iii) कवि मनुष्य को किस प्रकार रहने की सलाह देता है?

क) सहयोग की भावना से ख) ईर्ष्या की भावना से

ग) हिंसा की भावना से घ) असहयोग की भावना से

(iv) **परस्परावलंब** का आशय है-

क) एक-दूसरे से घृणा करना ख) एक-दूसरे का सहयोग लेना या देना

ग) एक-दूसरे से छल-कपट करना घ) एक-दूसरे से शत्रुता करना

(v) आकाश में देवता क्यों खड़े हैं ?

क) अन्याय करने के लिए ख) सब को देखने के लिए

ग) न्याय करने के लिए घ) परोपकारी लोगों की प्रशंसा करने के लिए

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कृष्ण की चाकरी करने से मीरा को कौन-कौन-से तीन लाभ मिलेंगे? **[2]**

(ii) **पर्वत प्रदेश में पावस** कविता में कौन-से दृश्य जादू के समान प्रतीत हो रहे हैं? **[2]**

(iii) कवि ने सैनिकों को राम-लक्ष्मण जैसा बनने के लिए क्यों कहा है? 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर बताइए। **[2]**

(iv) सुख के दिन के संबंध में जन सामान्य और कवि के दृष्टिकोण में अंतर **आत्मत्राण** कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। **[2]**

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) एक जागरूक पत्रकार के नाते आप अपने पाठकों को हरिहर काका की दशा के बारे में क्या-क्या बताना चाहेंगे? एक अनुच्छेद के रूप में लिखिए। **[3]**

(ii) लेखक गुरुदयाल और उनके साथियों को स्कूल जाना पसंद न होने पर भी स्काउट परेड वाला दिन अच्छा लगता था। आपको विद्यालय जाना किन कारणों से अच्छा लगता है और किन कारणों से नहीं? **सपनों के-से दिन** पाठ के संदर्भ में उत्तर लिखिए। **[3]**

(iii) आपके विचार से मित्रता की कौन-कौन सी कसौटियाँ हो सकती हैं? **टोपी शुक्ला** पाठ के संदर्भ में तीन बिंदु लिखिए। **[3]**

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:** **[5]**

(i) **अबला नहीं, सबला है नारी** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

(ii) **परहित सरिस धर्म नहिं भाई अथवा परोपकार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- सूक्ति से तात्पर्य
- मानव एवं पशु में अंतर
- परोपकारियों के उदाहरण
- भारतीय संस्कृति में परोपकार का महत्त्व

(iii) **इंटरनेट : सूचनाओं की खान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- तकनीक का अद्‌भुत वरदान
- इंटरनेट क्रांति
- सूचना स्रोत
- प्रयोग के लिए सजगता

13. स्वरचित कविता प्रकाशित करवाने के लिए अनुरोध करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लगभग 80-100 शब्दों में लिखिए। **[5]**

अथवा

परीक्षा के दिनों में विद्‌युत आपूर्ति नियमित न होने से हो रही कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए विद्‌युत प्रदाय संस्थान के मुख्य प्रबन्धक को तुरन्त इसे ठीक करने का अनुरोध कीजिए।

14. आप अपने विद्यालय में विद्यार्थी परिषद् के सचिव हैं। विद्यालय में होने वाली चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

विद्यालय में आयोजित होने वाली कथा प्रस्तुति के लिए हिन्दी विभाग के संयोजक की ओर से 40-50 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।

15. आपके पिताजी अपना दो कमरों वाला फ्लैट किराए पर देना चाहते हैं। फ्लैट और उससे संबंधित जानकारी देते हुए लगभग 60 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[3]**

अथवा

विद्यालय में वार्षिकोत्सव के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा निर्मित हस्तकला की वस्तुओं की प्रदर्शनी के लिए एक विज्ञापन लगभग **25-50** शब्दों में तैयार कीजिए।

16. आपके क्षेत्र में हरे-भरे पेड़ों को अंधाधुंध काटा जा रहा है। इसकी शिकायत करते हुए अपने जिले के वन-निरीक्षक को pccfgnctd@gmail.com एक ईमेल लिखिए। **[5]**

अथवा

एक नदी का दुख विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।